PRACTICES	HYBRID CAPSICUM (ALASKA GREEN)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड शिमला मिर्च (अलास्का ग्रीन)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	**खेत की सफाई**	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।
Soil requirement	Sandy loam to loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 5.5-6.5. Avoid waterlogging, as Capsicum is sensitive to excess moisture.	**मिट्टी की आवश्यकता**	बलुई दोमट से दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 5.5-6.5। जलभराव से बचें, क्योंकि शिमला मिर्च अधिक नमी के प्रति संवेदनशील होती है।
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	**मृदा परीक्षण**	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।
Climate Suitability	Climate / Weather Requirement Capsicum prefers moderate conditions: daytime ~26-30 °C, night ~16-18 °C for optimum fruit set. It is less tolerant of extreme heat or prolonged cold.	**जलवायु उपयुक्तता**	जलवायु/मौसम संबंधी आवश्यकताएँ कैप्सिकम को मध्यम परिस्थितियाँ पसंद हैं: इष्टतम फल लगने के लिए दिन का तापमान लगभग 26-30 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान लगभग 16-18 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। यह अत्यधिक गर्मी या लंबे समय तक ठंड सहन नहीं कर पाती है।
Land preparation	Land Preparation Plough/harrow to fine tilth. Incorporate well-decomposed FYM or compost (≈ 20-25 t/acre) during final land preparation. Form beds/ridges if needed for drainage.	**भूमि की तैयारी**	भूमि की तैयारी जमीन को अच्छी तरह से जोतकर समतल कर लें। अंतिम तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट (लगभग 20-25 टन प्रति एकड़) मिला दें। जल निकासी के लिए आवश्यकतानुसार क्यारियां/मेड़ें बना लें।
Sowing Time	Sowing Time / Season Typical sowing in nursery: end of October; transplanting in mid-February for open fields. For early crop: sow mid-October, transplant late November.	**बुवाई का समय**	बुवाई का समय/मौसम नर्सरी में बुवाई का सामान्य समय: अक्टूबर के अंत में; खुले खेतों में रोपाई फरवरी के मध्य में। जल्दी पकने वाली फसल के लिए: अक्टूबर के मध्य में बुवाई करें, नवंबर के अंत में रोपाई करें।
Seed rate & Spacing	Seed Rate / Sowing Method / Spacing Seed rate: ~200-300 g per acre. Sowing depth: ~2-4 cm. Spacing: Row-to-row ~ 50-60 cm and plant-to-plant ~ 30-40 cm (for field crop) or as per ridge/bed system.	**बीज दर और दूरी**	बीज दर / बुवाई विधि / पौधों के बीच की दूरी बीज दर: लगभग 200-300 ग्राम प्रति एकड़। बुवाई की गहराई: लगभग 2-4 सेमी। पंक्ति से पंक्ति की दूरी लगभग 50-60 सेमी और पौधों से पौधों की दूरी लगभग 30-40 सेमी (खेत की फसल के लिए) या मेड़/बेड प्रणाली के अनुसार।
Seed Treatment	Seed Treatment / Fungicide Treat seeds with Thiram/Captan @ ~2 g/kg seed before sowing to reduce seed-borne diseases.	**बीज उपचार**	बीज उपचार / फफूंदनाशक बीज जनित रोगों को कम करने के लिए बुवाई से पहले बीजों को थिरम/कैप्टन से लगभग 2 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
Weed Management	Weed Control Keep crop weed-free especially during early growth. Two weedings recommended: first ~30 days after transplanting, second ~60 days after.	**खरपतवार प्रबंधन**	खरपतवार नियंत्रण फसल को खरपतवार मुक्त रखें, विशेषकर प्रारंभिक वृद्धि के दौरान। दो बार निराई करने की सलाह दी जाती है: पहली बार रोपाई के लगभग 30 दिन बाद, दूसरी बार लगभग 60 दिन बाद।
Fertilizer Management	Fertilizer & Nutrient Management Example per acre: • FYM/compost: 20-25 t/acre. • Fertilizer: ~ N 50 kg / P_2O_5 25 kg / K_2O 12 kg per acre (approx) i.e. Urea ~110 kg/acre, SSP ~175 kg/acre, MOP ~20 kg/acre. (> Full P & K & 1/3 N at planting; then remaining N in two splits one and two months after transplanting.)	**उर्वरक प्रबंधन**	उर्वरक एवं पोषक तत्व प्रबंधन प्रति एकड़ उदाहरण: • गोबर की खाद/कम्पोस्ट: 20-25 टन/एकड़ • उर्वरक: लगभग 50 कि.ग्रा. नाइट्रोजन / 25 कि.ग्रा. फास्फोरस / 12 कि.ग्रा. पोटेशियम प्रति एकड़ (लगभग) यानी यूरिया लगभग 110 कि.ग्रा./एकड़, सपोसिटरी ~175 कि.ग्रा./एकड़, मोप्टिजन ऑयल लगभग 20 कि.ग्रा./एकड़। (> रोपण के समय पूर्ण फास्फोरस और पोटेशियम तथा 1/3 नाइट्रोजन; फिर शेष नाइट्रोजन को रोपण के एक और दो महीने बाद दो भागों में दिया जाता है।)
Irrigation Management	Irrigation Management First irrigation immediately after transplanting. Thereafter: in hot weather every ~4-5 days; in cooler weather every ~7-8 days. Maintain uniform moisture, avoid water-stress and waterlogging.	**सिंचाई प्रबंधन**	सिंचाई प्रबंधन पौधे लगाने के तुरंत बाद पहली सिंचाई करें। इसके बाद: गर्म मौसम में लगभग 4-5 दिनों में; ठंडे मौसम में लगभग 7-8 दिनों में सिंचाई करें। नमी को एक समान बनाए रखें, पानी की कमी और जलभराव से बचें।
Pest Management	Pest Management Common pests and control: • Fruit-borer: Spray e.g. Chlorantraniliprole or Spinosad. • Thrips, Aphids, Whitefly: Use yellow/blue sticky traps; spray appropriate insecticides.	**कीट प्रबंधन**	कीट प्रबंधन सामान्य कीट और नियंत्रण: • फल छेदक कीट: क्लोरेंट्रानिलिप्रोले या स्पिनोसाड जैसे कीटनाशकों का छिड़काव करें। • थ्रिप्स, एफिड्स, सफेद मक्खी: पीले/नीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें; उपयुक्त कीटनाशकों का छिड़काव करें।
Disease Management	Disease Management Key diseases and treatments: • Fruit-rot (Colletotrichum capsici): Use disease-free seeds; spray with suitable fungicides (e.g., Indofil M-45 or copper mixtures) at onset and 3-4 times at 10–15 day intervals • Leaf-curl / Mosaic virus: Control whitefly; rogue out infected plants.	**रोग प्रबंधन**	रोग प्रबंधन प्रमुख रोग और उपचार: • फल सड़न (कोलेटोट्राइकम कैप्सिकी): रोगमुक्त बीजों का प्रयोग करें; रोग की शुरुआत में और 10-15 दिनों के अंतराल पर 3-4 बार उपयुक्त फफूंदनाशक (जैसे इंडोफिल एम-45 या कॉपर मिश्रण) का छिड़काव करें। • पत्ती मुड़ने/मोज़ेक वायरस: सफेद मक्खी को नियंत्रित करें; संक्रमित पौधों को हटा दें।
Harvesting & Yield	Harvesting / Yield Harvest when fruits are fully developed and still green for long-distance markets; coloured stage for local market. Harvest begins ~60-75 days after transplanting.	**कटाई और उपज**	कटाई / उपज दूरस्थ बाज़ारों के लिए फल पूरी तरह विकसित और हरे होने पर ही काटें; स्थानीय बाज़ार के लिए रंगीन अवस्था में काटें। रोपण के लगभग 60-75 दिन बाद कटाई शुरू होती है।
Post-Harvest Mangement & Storage	Post-Harvest Handling Sort/grade by size, colour, quality. Pack in ventilated crates/boxes. Store at ~7-10 °C for up to ~3 weeks (if required).	**फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण**	कटाई के बाद की प्रक्रिया आकार, रंग और गुणवत्ता के आधार पर छाँटें/वर्गीकरण करें। हवादार बक्सों/पेटियों में पैक करें। लगभग 7-10 डिग्री सेल्सियस तापमान पर लगभग 3 सप्ताह तक (आवश्यकतानुसार) संग्रहित करें।
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	**अस्वीकरण**	ये सिफ़ारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

PRACTICES	વ્યવસ્થાપન	હાઇબ્રિડ કેપ્સિકમ (અલાસ્કા ગ્રીન)	पद्धती	हायब्रिड सिमला मिरची (अलास्का ग्रीन)
Field Sanitation	**ખેતરની સ્વચ્છતા**	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.	**फील्ड स्वच्छता**	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.
Soil requirement	**માટીની જરૂરિયાત**	રેતાળ લોમથી લોમ જમીન, સારા પાણીના નિતારવાળી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થોવાળી. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 5.5-6.5. પાણી ભરાવાનું ટાળો, કારણ કે કેપ્સિકમ વધુ પડતા ભેજ પ્રત્યે સંવેદનશીલ છે.	**मातीची आवश्यकता**	वालुकामय चिकणमाती ते चिकणमाती प्रकारची जमीन, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक, आणि चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ५.५-६.५. जमिनीत पाणी साचू देऊ नका, कारण ढोबळी मिरची जास्त ओलाव्याला संवेदनशील असते.
Soil Testing	**માટી પરીક્ષણ**	EC, pH, OC અને મેક્રો-માઇક્રો પોષક તત્વો માટે ઓછામાં ઓછા દર 2-3 વર્ષે એક વાર માટી પરીક્ષણ કરો અને પરીક્ષણના પરિણામોના આધારે ખાતરો લાગુ કરો.	**माती परीक्षण**	दर २-३ वर्षांतून किमान एकदा EC, pH, OC आणि स्थूल-सूक्ष्म पोषक तत्वांसाठी माती परीक्षण करा आणि परीक्षणाच्या निकालांनुसार खते वापरा.
Climate Suitability	**આબોહવા યોગ્યતા**	આબોહવા / હવામાનની આવશ્યકતા કેપ્સિકમ મધ્યમ હવામાન પસંદ કરે છે: દિવસના ~26-30 °C, રાત્રે ~16-18 °C શ્રેષ્ઠ ફળના સેટ માટે. તે અતિશય ગરમી અથવા લાંબા સમય સુધી ઠંડી સહન કરતું નથી.	**हवामान अनुकूलता**	हवामानाची आवश्यकता कॅप्सिकमला मध्यम परिस्थिती पसंत असते: उत्तम फळधारणेसाठी दिवसा सुमारे २६-३०°C आणि रात्री सुमारे १६-१८°C. ते अति उष्णता किंवा दीर्घकाळची थंडी कमी सहन करते.
Land preparation	**જમીનની તૈયારી**	જમીનની તૈયારી ખેતી માટે ખેડાણ/હેરો વાવો. જમીનની અંતિમ તૈયારી દરમિયાન સારી રીતે વિઘટિત છાણિયું ખાતર અથવા ખાતર (≈ 20-25 ટન/એકર) ઉમેરો. જો જરૂરી હોય તો પાણીના નિકાલ માટે પથારી/પારખા બનાવો.	**जमिनीची तयारी**	जमिनीची मशागत नांगरणी/कुळवणी करून जमीन भुसभुशीत करा. जमिनीच्या अंतिम मशागतीदरम्यान चांगले कुजलेले शेणखत किंवा कंपोस्ट खत (≈ २०-२५ टन/एकर) जमिनीत मिसळा. पाण्याचा निचरा होण्यासाठी आवश्यक असल्यास वाफे/सळया तयार करा.
Sowing Time	**વાવણી સમય**	વાવણીનો સમય / ઋતુ નર્સરીમાં સામાન્ય વાવણી: ઓક્ટોબરનો અંત; ખુલ્લા ખેતરો માટે ફેબ્રુઆરીના મધ્યમાં રોપણી. વહેલા પાક માટે: ઓક્ટોબરના મધ્યમાં વાવણી, નવેમ્બરના અંતમાં રોપણી.	**पेरणीची वेळ**	पेरणीची वेळ / हंगाम रोपवाटिकेत सर्वसाधारण पेरणी: ऑक्टोबर अखेर; मोकळ्या शेतांसाठी फेब्रुवारीच्या मध्यामध्ये पुनर्लागवड. लवकर येणाऱ्या पिकासाठी: ऑक्टोबरच्या मध्यामध्ये पेरणी, नोव्हेंबरच्या अखेरीस पुनर्लागवड.
Seed rate & Spacing	**બીજ દર અને અંતર**	બીજ દર / વાવણી પદ્ધતિ / અંતર બીજ દર: ~200-300 ગ્રામ પ્રતિ એકર. વાવણી ઊંડાઈ: ~2-4 સે.મી. અંતર: પંક્તિ-થી-પંક્તિ ~ 50-60 સે.મી. અને છોડ-થી-છોડ ~ 30-40 સે.મી. (ખેતરના પાક માટે) અથવા પટ્ટા/પથારી પદ્ધતિ મુજબ.	**बियाणे दर आणि अंतर**	बियाणे दर / पेरणी पद्धत / अंतर बियाणे दर: ~२००-३०० ग्रॅम प्रति एकर. पेरणीची खोली: ~२-४ सेंमी. अंतर: ओळींमधील अंतर ~ ५०-६० सेंमी आणि रोपांमधील अंतर ~ ३०-४० सेंमी (शेती पिकासाठी) किंवा सरी/वाफ्या पद्धतीनुसार.
Seed Treatment	**બીજ માવજત**	બીજ માવજત / ફૂગનાશક બીજજન્ય રોગો ઘટાડવા માટે વાવણી પહેલાં બીજને ~2 ગ્રામ/કિલો બીજ સાથે થિરામ/કેપ્ટનથી માવજત કરો.	**बियाणे प्रक्रिया**	बीज प्रक्रिया / बुरशीनाशक बियाण्यांद्वारे पसरणारे रोग कमी करण्यासाठी पेरणीपूर्वी बियाण्यांवर थिरम/कॅप्टनची (सुमारे २ ग्रॅम प्रति किलो बियाणे) प्रक्रिया करा.
Weed Management	**નીંદણ વ્યવસ્થાપન**	નીંદણ નિયંત્રણ ખાસ કરીને શરૂઆતના વિકાસ દરમિયાન પાકને નીંદણમુક્ત રાખો. બે વાર નીંદણ કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે: પહેલું રોપણી પછી ~30 દિવસ, બીજું ~60 દિવસ પછી.	**तण व्यवस्थापन**	तण नियंत्रण पीक विशेषतः सुरुवातीच्या वाढीच्या काळात तणमुक्त ठेवा. दोनदा तण काढण्याची शिफारस केली जाते: पहिली लागवडीनंतर सुमारे ३० दिवसांनी, दुसरी सुमारे ६० दिवसांनी.
Fertilizer Management	**ખાતર વ્યવસ્થાપન**	ખાતર અને પોષક તત્વોનું સંચાલન ઉદાહરણ પ્રતિ એકર: • છાણિયું ખાતર/ખાતર: 20-25 ટન/એકર. • ખાતર: ~ નાઇટ્રોજન 50 કિગ્રા / ફોસ્ફરસ 25 કિગ્રા / ફોસ્ફરસ 12 કિગ્રા પ્રતિ એકર (આશરે) એટલે કે યુરિયા ~110 કિગ્રા/એકર, SSP ~175 કિગ્રા/એકર, MOP ~20 કિગ્રા/એકર. (> વાવેતર સમયે પૂર્ણ ફોસ્ફરસ અને પોસ્ફરસ 1/3 નાઇટ્રોજન; પછી રોપણી પછી એક અને બે મહિના પછી બાકી રહેલ નાઇટ્રોજન બે ભાગોમાં.)	**खत व्यवस्थापन**	खत आणि पोषक तत्वांचे व्यवस्थापन उदाहरण प्रति एकर: • शेणखत/कंपोस्ट: २०-२५ टन प्रति एकर. • खत: ~ नत्र (N) ५० किलो / फॉस्फोरस (P_2O_5) २५ किलो / पोटॅशियम (K_2O) १२ किलो प्रति एकर (अंदाजे) म्हणजेच युरिया ~११० किलो प्रति एकर, एसएसपी (SSP) ~१७५ किलो प्रति एकर, एमओपी (MOP) ~२० किलो प्रति एकर. (> पेरणीच्या वेळी संपूर्ण फॉस्फोरस (P) आणि पोटॅशियम (K) व १/३ नत्र (N); त्यानंतर उर्वरित नत्र (N) रोपणानंतर एक आणि दोन महिन्यांनी दोन हप्त्यांमध्ये.)
Irrigation Management	**સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન**	સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન રોપણી પછી તરત જ પ્રથમ સિંચાઈ. ત્યારબાદ: ગરમ હવામાનમાં દર ~4-5 દિવસે; ઠંડા હવામાનમાં દર ~7-8 દિવસે. એકસમાન ભેજ જાળવી રાખો, પાણીનો તણાવ અને પાણી ભરાવાનું ટાળો.	**सिंचन व्यवस्थापन**	सिंचन व्यवस्थापन रोपे लावल्यानंतर लगेच पहिले सिंचन करावे. त्यानंतर: उष्ण हवामानात दर ~४-५ दिवसांनी; थंड हवामानात दर ~७-८ दिवसांनी. ओलावा एकसमान ठेवा, पाण्याचा ताण आणि पाणी साचणे टाळा.
Pest Management	**જીવાત વ્યવસ્થાપન**	જીવાત વ્યવસ્થાપન સામાન્ય જીવાત અને નિયંત્રણ: • ફળ ખાનાર જીવાત: ક્લોરાન્ટ્રાનિલિપ્રોલ અથવા સ્પિનોસેડ જેવા ઇયળીનો છંટકાવ કરો. • થ્રિપ્સ, મોલો મશી, સફેદ માખી: પીળા/વાદળી રંગના ચીકણા ફાંસોનો ઉપયોગ કરો; યોગ્ય જંતુનાશકોનો છંટકાવ કરો.	**कीड व्यवस्थापन**	कीड व्यवस्थापन सामान्य कीड आणि नियंत्रण: • फळ पोखरणारी अळी: क्लोरॅन्ट्रॅनिलिप्रोल किंवा स्पिनोसाद सारख्या कीटकनाशकांची फवारणी करा. • थ्रिप्स, मावा, पांढरी माशी: पिवळे/निळे चिकट सापळे वापरा; योग्य कीटकनाशकांची फवारणी करा.
Disease Management	**રોગ વ્યવસ્થાપન**	રોગ વ્યવસ્થાપન મુખ્ય રોગો અને સારવાર: • ફળનો સડો (કોલેટોટ્રિચમ કેપ્સીસી): રોગમુક્ત બીજ વાપરો; યોગ્ય ફૂગનાશકો (દા.ત., ઇન્ડોફિલ એમ-૪૫ અથવા કોપર મિશ્રણ) સાથે શરૂઆત સમયે અને ૧૦-૧૫ દિવસના અંતરાલ પર ૩-૪ વખત છંટકાવ કરો • પાન-કરડવું / મોઝેક વાયરસ: સફેદ માખીને નિયંત્રિત કરો; ચેપગ્રસ્ત છોડને દૂર કરો.	**रोग व्यवस्थापन**	रोग व्यवस्थापन प्रमुख रोग आणि उपचार: • फळकुज (कोलेटोट्रिचम कॅप्सिसी): रोगमुक्त बियाणे वापरा; रोगाची सुरुवात झाल्यावर आणि त्यानंतर १०-१५ दिवसांच्या अंतराने ३-४ वेळा योग्य बुरशीनाशकांची (उदा., इंडोफिल एम-४५ किंवा तांब्याची मिश्रणे) फवारणी करा. • पानकुजणे / मोझॅक विषाणू: पांढऱ्या माशीवर नियंत्रण ठेवा; रोगग्रस्त झाडे काढून टाका.
Harvesting & Yield	**લણણી અને ઉપજ**	લણણી / ઉપજ લાંબા અંતરના બજારો માટે ફળો સંપૂર્ણપણે વિકસિત અને લીલા હોય ત્યારે લણણી કરો; સ્થાનિક બજાર માટે રંગીન તબક્કો. રોપણી પછી લગભગ 60-75 દિવસ પછી લણણી શરૂ થાય છે.	**कापणी आणि उत्पन्न**	काढणी / उत्पन्न दूरच्या बाजारपेठांसाठी फळे पूर्णपणे विकसित झाल्यावर आणि हिरवी असताना काढणी करावी; स्थानिक बाजारपेठेसाठी रंग बदलल्यावर काढणी करावी. रोपणानंतर सुमारे ६०-७५ दिवसांनी काढणी सुरू होते.
Post-Harvest Mangement & Storage	**લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ**	કાપણી પછીની સંભાળ કદ, રંગ, ગુણવત્તા પ્રમાણે વર્ગીકરણ/ગ્રેડ કરો. વેન્ટિલેટેડ ક્રેટ્સ/બોક્સમાં પેક કરો. ~7-10 °C તાપમાને ~3 અઠવાડિયા સુધી સ્ટોર કરો (જો જરૂરી હોય તો).	**कापणीनंतरचे व्यवस्थापन आणि साठवणूक**	काढणीनंतरची हाताळणी आकार, रंग, गुणवत्ता यानुसार वर्गीकरण/दर्जा करा. हवेशीर क्रेट/खोक्यांमध्ये पॅक करा. ~७-१०°C तापमानात सुमारे ३ आठवड्यांपर्यंत साठवा (आवश्यक असल्यास).
Disclaimer	**અસ્વીકરણ**	આ ભલામણો SAU, સરકારી એજન્સીઓ અને ટ્રાયલ સેન્ટરો પર આધારિત છે. વાસ્તવિક પરિણામો જમીનના પ્રકાર, આબોહવા, વિવિધતા અને પાક વ્યવસ્થાપન પદ્ધતિઓના આધારે બદલાઈ શકે છે.	**अस्वीकरण**	या शिफारसी एसएयू, सरकारी संस्था आणि चाचणी केंद्रांवर आधारित आहेत. प्रत्यक्ष परिणाम मातीचा प्रकार, हवामान, वाण आणि पीक व्यवस्थापन पद्धतींनुसार भिन्न असू शकतात.

PRACTICES	நடைமுறைகள்	கலப்பின குடைமிளகாய் (அலாஸ்கா பச்சை)	అభ్యాసాలు	సంకర క్యాప్సికం (అలాస్కా ఆకుపచ్చ)
Field Sanitation	**கள சுகாதாரம்**	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.	**క్షేత్ర పారిశుధ్యం**	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.
Soil requirement	**மண் தேவை**	மணல் கலந்த வண்டல் மண் முதல் வண்டல் மண் வரை, நல்ல வடிகால் வசதியுள்ள, வளமான, மற்றும் சிறந்த கரிமச்சத்துக்கள் கொண்ட மண். உகந்த pH அளவு: சுமார் 5.5-6.5. குடைமிளகாய் அதிகப்படியான ஈரப்பதத்திற்கு உணர்திறன் கொண்டது என்பதால், நீர் தேங்குவதைத் தவிர்க்கவும்.	**నేల అవసరం**	ఇసుకతో కూడిన బంకమట్టి నేల, నీరు నిలవనిది, సారవంతమైనది, మంచి సేంద్రియ పదార్థం కలది. అనువైన pH పరిధి: సుమారు 5.5-6.5. క్యాప్సికమ్ అధిక తేమకు సున్నితమైనది కాబట్టి, నీరు నిలవకుండా చూసుకోండి.
Soil Testing	**மண் பரிசோதனை**	EC, pH, OC மற்றும் பேரூட்டச்சத்துக்கள், நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் ஆகியவற்றுக்காக, குறைந்தது 2-3 ஆண்டுகளுக்கு ஒருமுறை மண் பரிசோதனை செய்து, பரிசோதனை முடிவுகளின் அடிப்படையில் உரமிடவும்.	**నేల పరీక్ష**	EC, pH, OC మరియు స్థూల-సూక్ష్మ పోషకాల కోసం ప్రతి 2–3 సంవత్సరాలకు కనీసం ఒకసారి నేల పరీక్షలు నిర్వహించి, పరీక్ష ఫలితాల ఆధారంగా ఎరువులను వేయండి.
Climate Suitability	**காலநிலை பொருத்தம்**	காலநிலை / வானிலை தேவை குடைமிளகாய் மிதமான சூழலை விரும்புகிறது: உகந்த காய்ப்புக்கு பகலில் ~26-30 °C, இரவில் ~16-18 °C. இது அதீத வெப்பத்தையோ அல்லது நீண்டகால குளிரையோ குறைவாகவே தாங்கும்.	**వాతావరణ అనుకూలత**	శీతోష్ణస్థితి / వాతావరణ అవసరాలు క్యాప్సికమ్‌కు సమశీతోష్ణ పరిస్థితులు ఇష్టం: సరైన కాయలు ఏర్పడటానికి పగటిపూట ~26-30 °C, రాత్రిపూట ~16-18 °C ఉష్ణోగ్రత అవసరం. ఇది తీవ్రమైన వేడిని లేదా దీర్ఘకాలిక చలిని అంతగా తట్టుకోలేదు.
Land preparation	**நிலப் பரப்பு**	நிலம் தயாரித்தல் கலப்பையால் நன்கு பண்படுத்தவும். இறுதி நிலம் தயாரிப்பின் போது, நன்கு மக்கிய தொழு உரம் அல்லது கம்போஸ்ட்டை (ஏக்கருக்கு சுமார் 20-25 டன்) மண்ணில் கலக்கவும். வடிகாலுக்காகத் தேவைப்பட்டால் பாத்திகள்/வரப்புகள் அமைக்கவும்.	**భూమి తయారీ**	భూమిని సిద్ధం చేయడం మెత్తని దుక్కి కోసం నాగలితో దున్నండి. తుది భూమి తయారీ సమయంలో బాగా కుళ్ళిన పశువుల ఎరువు లేదా కంపోస్టును (సుమారుగా ఎకరానికి 20-25 టన్నులు) భూమిలో కలపండి. అవసరమైతే, నీటి పారుదల కోసం గట్లు/దారిగటాలు చేయండి.
Sowing Time	**விதைப்பு நேரம்**	விதைக்கும் நேரம் / பருவம் நாற்றங்காலில் வழக்கமான விதைப்பு: அக்டோபர் இறுதி; திறந்த வெளிகளில் பிப்ரவரி நடுப்பகுதியில் நாற்று நடுதல். முன்காலப் பயிருக்கு: அக்டோபர் நடுப்பகுதியில் விதைத்து, நவம்பர் இறுதியில் நாற்று நடவும்.	**విత్తే సమయం**	విత్తే సమయం / కాలం నర్సరీలో సాధారణంగా విత్తే విధానం: అక్టోబర్ నెలాఖరు; బహిరంగ పొలాలలో నాట్లు వేయడానికి ఫిబ్రవరి మధ్యకాలం. ముందస్తు పంట కోసం: అక్టోబర్ మధ్యలో విత్తండి, నవంబర్ నెలాఖరులో నాట్లు వేయండి.
Seed rate & Spacing	**விதை விகிதம் மற்றும் இடைவெளி**	விதை அளவு / விதைப்பு முறை / இடைவெளி விதை அளவு: ஏக்கருக்கு சுமார் 200-300 கிராம். விதைப்பு ஆழம்: சுமார் 2-4 செ.மீ. இடைவெளி: வரிசைக்கு வரிசை சுமார் 50-60 செ.மீ. மற்றும் செடிக்கு செடி சுமார் 30-40 செ.மீ. (வயல் பயிருக்கு) அல்லது வரப்பு/பாத்தி முறைப்படி.	**విత్తన రేటు మరియు అంతరం**	విత్తన మోతాదు / విత్తే విధానం / అంతరం విత్తన మోతాదు: ఎకరానికి సుమారు 200-300 గ్రాములు. విత్తే లోతు: సుమారు 2-4 సెం.మీ. అంతరం: వరుసల మధ్య సుమారు 50-60 సెం.మీ. మరియు మొక్కల మధ్య సుమారు 30-40 సెం.మీ. (పొలం పంటకు) లేదా గట్లు/మడి పద్ధతి ప్రకారం.
Seed Treatment	**விதை சிகிச்சை**	விதை நேர்த்தி / பூஞ்சைக்கொல்லி விதை மூலம் பரவும் நோய்களைக் குறைக்க, விதைப்பதற்கு முன் ஒரு கிலோ விதைக்கு சுமார் 2 கிராம் என்ற அளவில் திராம்/கேப்டன் கொண்டு விதைகளுக்கு நேர்த்தி செய்யவும்.	**విత్తన శుద్ధి**	విత్తన శుద్ధి / శిలీంధ్రనాశకం విత్తనాల ద్వారా సంక్రమించే వ్యాధులను తగ్గించడానికి, విత్తే ముందు ప్రతి కిలో విత్తనానికి సుమారు 2 గ్రాముల చొప్పున థిరామ్/క్యాప్టాన్‌తో విత్తనాలను శుద్ధి చేయండి.
Weed Management	**களை மேலாண்மை**	களைக் கட்டுப்பாடு பயிரை, குறிப்பாக அதன் ஆரம்ப வளர்ச்சிக் காலத்தில், களைகள் இல்லாமல் வைத்திருக்கவும். இரண்டு முறை களையெடுக்கப் பரிந்துரைக்கப்படுகிறது: முதல் முறை நாற்று நட்ட சுமார் 30 நாட்களுக்குப் பிறகும், இரண்டாவது முறை சுமார் 60 நாட்களுக்குப் பிறகும்.	**కలుపు నిర్వహణ**	కలుపు నియంత్రణ పంటను, ముఖ్యంగా తొలి పెరుగుదల దశలో, కలుపు లేకుండా ఉంచండి. రెండుసార్లు కలుపు తీయడం మంచిది: మొదటిసారి నాటిన సుమారు 30 రోజుల తర్వాత, రెండవసారి సుమారు 60 రోజుల తర్వాత.
Fertilizer Management	**உர மேலாண்மை**	உரம் மற்றும் ஊட்டச்சத்து மேலாண்மை ஒரு ஏக்கருக்கான எடுத்துக்காட்டு: • தொழு உரம்/மக்கிய உரம்: ஒரு ஏக்கருக்கு 20-25 டன். • உரம்: ஒரு ஏக்கருக்கு ~ நைட்ரஜன் 50 கிலோ / பாஸ்பரஸ் ஆக்சைடு 25 கிலோ / பொட்டாசியம் ஆக்சைடு 12 கிலோ (தோராயமாக). அதாவது, யூரியா ~110 கிலோ/ஏக்கர், எஸ்.எஸ்.பி ~175 கிலோ/ஏக்கர், எம்.ஓ.பி ~20 கிலோ/ஏக்கர். (> நடவு செய்யும் போது முழுமையான பாஸ்பரஸ், பொட்டாசியம் மற்றும் 1/3 பங்கு நைட்ரஜன்; பின்னர் மீதமுள்ள நைட்ரஜனை, நாற்று நட்ட பிறகு ஒன்று மற்றும் இரண்டு மாதங்களில் இரண்டு பிரிவுகளாகப் பிரித்துக் கொடுக்க வேண்டும்.)	**ఎరువుల నిర్వహణ**	ఎరువులు & పోషకాల నిర్వహణ ఎకరానికి ఉదాహరణ: • పశువుల ఎరువు/కంపోస్ట్: ఎకరానికి 20-25 టన్నులు. • ఎరువులు: ~ ఎకరానికి నత్రజని 50 కిలోలు / భాస్వరం 25 కిలోలు / పొటాషియం ఆక్సైడ్ 12 కిలోలు (సుమారుగా) అనగా యూరియా ~110 కిలోలు/ఎకరానికి, ఎస్ఎస్పి ~175 కిలోలు/ఎకరానికి, ఎంఓపి ~20 కిలోలు/ఎకరానికి. (> నాటే సమయంలో పూర్తి భాస్వరం & పొటాషియం మరియు 1/3 నత్రజని; ఆ తర్వాత మిగిలిన నత్రజనిని నాటిన ఒకటి మరియు రెండు నెలల తర్వాత రెండు విడతలుగా వేయాలి.)
Irrigation Management	**நீர்ப்பாசன மேலாண்மை**	நீர்ப்பாசன மேலாண்மை நாற்று நட்ட உடனேயே முதல் நீர்ப்பாசனம் செய்யவும். அதன்பிறகு: வெப்பமான காலநிலையில் சுமார் 4-5 நாட்களுக்கு ஒருமுறை; குளிர்ச்சியான காலநிலையில் சுமார் 7-8 நாட்களுக்கு ஒருமுறை. சீரான ஈரப்பதத்தைப் பராமரிக்கவும், நீர் பற்றாக்குறை மற்றும் நீர் தேக்கத்தைத் தவிர்க்கவும்.	**నీటిపారుదల నిర్వహణ**	నీటిపారుదల నిర్వహణ నాట్లు వేసిన వెంటనే మొదటిసారి నీరు పెట్టాలి. ఆ తర్వాత: వేసవిలో ప్రతి 4-5 రోజులకు; చల్లగా ఉన్నప్పుడు ప్రతి 7-8 రోజులకు. తేమ సమానంగా ఉండేలా చూసుకోవాలి, నీటి కొరత మరియు నీరు నిలిచిపోకుండా నివారించాలి.
Pest Management	**பூச்சி மேலாண்மை**	பூச்சி மேலாண்மை பொதுவான பூச்சிகளும் கட்டுப்பாடும்: • பழத்துளைப்பான்: குளோராண்ட்ரானில்ப்ரோல் அல்லது ஸ்பினோசாட் போன்றவற்றைத் தெளிக்கவும். • திரிப்ஸ், அசுவினி, வெள்ளை ஈ: மஞ்சள்/நீல நிற ஒட்டும் பொறிகளைப் பயன்படுத்தவும்; பொருத்தமான பூச்சிக்கொல்லிகளைத் தெளிக்கவும்.	**తెగుళ్ల నిర్వహణ**	తెగుళ్ల నివారణ సాధారణ తెగుళ్లు మరియు వాటి నివారణ: • కాయతొలుచు పురుగు: క్లోరాంట్రానిలిప్రోల్ లేదా స్పినోసాడ్ వంటి మందులను పిచికారీ చేయండి. • త్రిప్స్, పేనుబంక, తెల్లదోమ: పసుపు/నీలం రంగు జిగురు ఉచ్చులను ఉపయోగించండి; తగిన పురుగుమందులను పిచికారీ చేయండి.
Disease Management	**நோய் மேலாண்மை**	நோய் மேலாண்மை முக்கிய நோய்களும் சிகிச்சைகளும்: • பழ அழுகல் (Colletotrichum capsici): நோயற்ற விதைகளைப் பயன்படுத்தவும்; நோய் தொடங்கியவுடன் பொருத்தமான பூஞ்சைக் கொல்லிகளை (எ.கா., இண்டோஃபில் எம்-45 அல்லது தாமிரக் கலவைகள்) தெளிக்கவும், பின்னர் 10-15 நாட்கள் இடைவெளியில் 3-4 முறை தெளிக்கவும். • இலைச்சுருள் நோய் / மொசைக் வைரஸ்: வெள்ளை ஈக்களைக் கட்டுப்படுத்தவும்; பாதிக்கப்பட்ட செடிகளைப் பிடுங்கி எறியவும்.	**వ్యాధి నిర్వహణ**	వ్యాధి నివారణ ప్రధాన వ్యాధులు మరియు చికిత్సలు: • కాయకుళ్ళు తెగులు (కొల్లెటోట్రిచమ్ క్యాప్సిసి): వ్యాధి లేని విత్తనాలను వాడండి; తెగులు ప్రారంభంలో మరియు 10–15 రోజుల వ్యవధిలో 3-4 సార్లు తగిన శిలీంధ్రనాశకాలతో (ఉదా., ఇండోఫిల్ M-45 లేదా రాగి మిశ్రమాలు) పిచికారీ చేయండి. • ఆకుముడత / మొజాయిక్ వైరస్: తెల్లదోమలను నియంత్రించండి; తెగులు సోకిన మొక్కలను పీకివేయండి.
Harvesting & Yield	**அறுவடை மற்றும் மகசூல்**	அறுவடை / மகசூல் தொலைதூரச் சந்தைகளுக்கு, காய்கள் முழுமையாக வளர்ந்து பச்சையாக இருக்கும்போதும்; உள்ளூர் சந்தைக்கு, நிறம் வந்த பிறகும் அறுவடை செய்யவும். நாற்று நட்ட சுமார் 60-75 நாட்களுக்குப் பிறகு அறுவடை தொடங்குகிறது.	**పంటకోత & దిగుబడి**	కోత / దిగుబడి దూర ప్రాంత మార్కెట్ల కోసం పండ్లు పూర్తిగా అభివృద్ధి చెంది, పచ్చిగా ఉన్నప్పుడు కోయాలి; స్థానిక మార్కెట్ కోసం రంగు వచ్చిన దశలో కోయాలి. నాటిన సుమారు 60-75 రోజుల తర్వాత కోత ప్రారంభమవుతుంది.
Post-Harvest Mangement & Storage	**அறுவடைக்குப் பிந்தைய மேலாண்மை மற்றும் சேமிப்பு**	அறுவடைக்குப் பிந்தைய கையாளுதல் அளவு, நிறம், தரம் ஆகியவற்றின் அடிப்படையில் தரம் பிரிக்கவும். காற்றோட்டமுள்ள மரப்பெட்டிகளில் அடைக்கவும். தேவைப்பட்டால், சுமார் 3 வாரங்கள் வரை ~7-10 °C வெப்பநிலையில் சேமித்து வைக்கவும்.	**పంట కోత అనంతర నిర్వహణ మరియు నిల్వ**	పంట కోత తర్వాత నిర్వహణ పరిమాణం, రంగు, నాణ్యత ఆధారంగా వర్గీకరించండి/గ్రేడ్ చేయండి. గాలి ప్రసరణ ఉండే క్రేట్లు/పెట్టెల్లో ప్యాక్ చేయండి. అవసరమైతే, సుమారు 3 వారాల వరకు ~7-10 °C వద్ద నిల్వ చేయండి.
Disclaimer	**மறுப்பு**	இந்தப் பரிந்துரைகள் சிறப்புப் பயன்பாட்டு அலகுகள் (SAU-கள்), அரசு நிறுவனங்கள் மற்றும் சோதனை மையங்களின் அடிப்படையில் அமைந்துள்ளன. உண்மையான முடிவுகள் மண் வகை, காலநிலை, பயிர் இரகம் மற்றும் பயிர் மேலாண்மை நடைமுறைகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம்.	**నిరాకరణ**	ఈ సిఫార్సులు SAUలు, ప్రభుత్వ సంస్థలు మరియు ప్రయోగాత్మక కేంద్రాల ఆధారంగా రూపొందించబడ్డాయి. నేల రకం, వాతావరణం, రకం మరియు పంట నిర్వహణ పద్ధతులను బట్టి వాస్తవ ఫలితాలు మారవచ్చు.

PRACTICES	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕ್ಯಾಪ್ಸಿಕಂ (ಅಲಸ್ಕಾ ಗ್ರೀನ್)
Field Sanitation	**ಕ್ಷೇತ್ರ ನೈರ್ಮಲ್ಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	**ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ**	ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತದೆ. ಸೂಕ್ತವಾದ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 5.5-6.5. ಕ್ಯಾಪ್ಸಿಕಂ ಹೆಚ್ಚುವರಿ ತೇವಾಂಶಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿರುವುದರಿಂದ ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	**ಮಣ್ಣು ಪರೀಕ್ಷೆ**	EC, pH, OC ಮತ್ತು ಮ್ಯಾಕ್ರೋ-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಿಗಾಗಿ ಕನಿಷ್ಠ 2-3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷೆಯನ್ನು ನಡೆಸಿ, ಮತ್ತು ಪರೀಕ್ಷಾ ಫಲಿತಾಂಶಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ.
Climate Suitability	**ಹವಾಮಾನ ಸೂಕ್ತತೆ**	ಹವಾಮಾನ / ಹವಾಮಾನದ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಕ್ಯಾಪ್ಸಿಕಂ ಮಧ್ಯಮ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡುತ್ತದೆ: ಹಗಲಿನ ತಾಪಮಾನ ~26-30 °C, ರಾತ್ರಿ ತಾಪಮಾನ ~16-18 °C, ಸೂಕ್ತ ಹಣ್ಣಿನ ರಚನೆಗೆ. ಇದು ತೀವ್ರವಾದ ಶಾಖ ಅಥವಾ ದೀರ್ಘಕಾಲದ ಶೀತವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತದೆ.
Land preparation	**ಭೂಮಿ ತಯಾರಿಕೆ**	ಭೂಮಿ ಸಿದ್ಧತೆ ನೇಗಿಲು/ಹಳ್ಳದಿಂದ ಉತ್ತಮವಾದ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ. ಅಂತಿಮ ಭೂಮಿ ತಯಾರಿಕೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕೊಳೆತ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅಥವಾ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು (≈ 20-25 ಟನ್/ಎಕರೆ) ಸೇರಿಸಿ. ಒಳಚರಂಡಿಗಾಗಿ ಅಗತ್ಯವಿದ್ದರೆ ಹಾಸಿಗೆಗಳು/ರೇಖೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ.
Sowing Time	**ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ / ಋತು ನರ್ಸರಿಯಲ್ಲಿ ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಬಿತ್ತನೆ: ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಅಂತ್ಯ; ತೆರೆದ ಹೊಲಗಳಿಗೆ ಫೆಬ್ರವರಿ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ನಾಟಿ. ಆರಂಭಿಕ ಬೆಳೆಗೆ: ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತನೆ, ನವೆಂಬರ್ ಕೊನೆಯಲ್ಲಿ ನಾಟಿ.
Seed rate & Spacing	**ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಅಂತರ**	ಬೀಜ ದರ / ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನ / ಅಂತರ ಬೀಜ ದರ: ಎಕರೆಗೆ ~200-300 ಗ್ರಾಂ. ಬಿತ್ತನೆಯ ಆಳ: ~2-4 ಸೆಂ.ಮೀ. ಅಂತರ: ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ ~ 50-60 ಸೆಂ.ಮೀ ಮತ್ತು ಸಸ್ಯದಿಂದ ಸಸ್ಯಕ್ಕೆ ~ 30-40 ಸೆಂ.ಮೀ (ಕ್ಷೇತ್ರ ಬೆಳೆಗೆ) ಅಥವಾ ಬೆಟ್ಟ/ಹಾಸಿಗೆ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಕಾರ.
Seed Treatment	**ಬೀಜೋಪಚಾರ**	ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ / ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ ಬೀಜದಿಂದ ಹರಡುವ ರೋಗಗಳನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಥಿರಮ್ / ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ @ 2 ಗ್ರಾಂ / ಕೆಜಿ ಬೀಜದೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಿ.
Weed Management	**ಕಳೆ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಬೆಳವಣಿಗೆಯ ಆರಂಭಿಕ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯನ್ನು ಕಳೆ ಮುಕ್ತವಾಗಿಡಿ. ಎರಡು ಬಾರಿ ಕಳೆ ತೆಗೆಯಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ: ಮೊದಲು ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ~30 ದಿನಗಳ ನಂತರ, ಎರಡನೆಯದು ~60 ದಿನಗಳ ನಂತರ.
Fertilizer Management	**ರಸಗೊಬ್ಬರ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ರಸಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ಪೋಷಕಾಂಶ ನಿರ್ವಹಣೆ ಎಕರೆಗೆ ಉದಾಹರಣೆ: • ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ/ಗೊಬ್ಬರ: 20-25 ಟನ್/ಎಕರೆ. • ರಸಗೊಬ್ಬರ: ~ N 50 ಕೆಜಿ / P_2O_5 25 ಕೆಜಿ / K_2O ಎಕರೆಗೆ 12 ಕೆಜಿ (ಅಂದಾಜು) ಅಂದರೆ ಯೂರಿಯಾ ~110 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ, SSP ~175 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ, MOP ~20 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ. (> ನೆಟ್ಟಾಗ ಪೂರ್ಣ P & K & 1/3 N; ನಂತರ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ಒಂದು ಮತ್ತು ಎರಡು ತಿಂಗಳ ನಂತರ ಎರಡು ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಉಳಿದ N.)
Irrigation Management	**ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ ಮೊದಲ ನೀರಾವರಿ. ನಂತರ: ಬಿಸಿ ವಾತಾವರಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ~4-5 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ; ತಂಪಾದ ವಾತಾವರಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ~7-8 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ. ಏಕರೂಪದ ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ, ನೀರಿನ ಒತ್ತಡ ಮತ್ತು ನೀರಿನ ನಿಶ್ಚಲತೆಯನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Pest Management	**ಕೀಟ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಕೀಟ ನಿರ್ವಹಣೆ ಸಾಮಾನ್ಯ ಕೀಟಗಳು ಮತ್ತು ನಿಯಂತ್ರಣ: • ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಕೀಟ: ಉದಾ. ಕ್ಲೋರಾಂಟ್ರಾನಿಲಿಪ್ರೋಲ್ ಅಥವಾ ಸ್ಪಿನೋಸಾಡ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ. • ಥ್ರಿಪ್ಸ್, ಗಿಡಹೇನುಗಳು, ಬಿಳಿ ನೊಣ: ಹಳದಿ/ನೀಲಿ ಜಿಗುಟಾದ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ; ಸೂಕ್ತವಾದ ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಿ.
Disease Management	**ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ ಪ್ರಮುಖ ರೋಗಗಳು ಮತ್ತು ಚಿಕಿತ್ಸೆಗಳು: • ಹಣ್ಣು-ಕೊಳೆತ (ಕೊಲೆಟೋಟ್ರಿಚಮ್ ಕ್ಯಾಪ್ಸಿಸಿ): ರೋಗ-ಮುಕ್ತ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ; ಆರಂಭದಲ್ಲಿ ಮತ್ತು 10-15 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ 3-4 ಬಾರಿ ಸೂಕ್ತವಾದ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕಗಳನ್ನು (ಉದಾ., ಇಂಡೋಫಿಲ್ M-45 ಅಥವಾ ತಾಮ್ರ ಮಿಶ್ರಣಗಳು) ಸಿಂಪಡಿಸಿ. • ಎಲೆ-ಸುರುಳಿ / ಮೊಸಾಯಿಕ್ ವೈರಸ್: ಬಿಳಿ ನೊಣವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಿ; ಸೋಂಕಿತ ಸಸ್ಯಗಳನ್ನು ನಿರ್ಮೂಲನೆ ಮಾಡಿ.
Harvesting & Yield	**ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಇಳುವರಿ**	ಕೊಯ್ಲು / ಇಳುವರಿ ಹಣ್ಣುಗಳು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಬೆಳೆದು ದೂರದ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗಳಿಗೆ ಇನ್ನೂ ಹಸಿರಾಗಿರುವಾಗ ಕೊಯ್ಲು; ಸ್ಥಳೀಯ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಬಣ್ಣದ ಹಂತ. ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ~60-75 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕೊಯ್ಲು ಪ್ರಾರಂಭವಾಗುತ್ತದೆ.
Post-Harvest Mangement & Storage	**ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಮತ್ತು ಸಂಗ್ರಹಣೆ**	ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಗಾತ್ರ, ಬಣ್ಣ, ಗುಣಮಟ್ಟದ ಪ್ರಕಾರ ವಿಂಗಡಿಸಿ/ದರ್ಜೆ ಮಾಡಿ. ಗಾಳಿ ತುಂಬಿದ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಗಳು/ಪೆಟ್ಟಿಗೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ಯಾಕ್ ಮಾಡಿ. ~7-10 °C ನಲ್ಲಿ ~3 ವಾರಗಳವರೆಗೆ (ಅಗತ್ಯವಿದ್ದರೆ) ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ.
Disclaimer	**ಹಕ್ಕುತ್ಯಾಗ**	ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳು SAUಗಳು, ಸರ್ಕಾರಿ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಮತ್ತು ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ಕೇಂದ್ರಗಳನ್ನು ಆಧರಿಸಿವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರ, ಹವಾಮಾನ, ವೈವಿಧ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ನಿರ್ವಹಣಾ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ನಿಜವಾದ ಫಲಿತಾಂಶಗಳು ಬದಲಾಗಬಹುದು.